श्री दिगम्बर जैन महासमिति

श्री दिगम्बर जैन समाज की संसद

पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति का लक्ष्य - संगठित समाज



श्री दिगम्बर जैन महासमिति के सदस्यों के वितरण हेतु पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति की सदस्यता शुल्क का विवरण

श्रेणी (CATEGORY)	धनराशि (AMOUNT)	(अवधि PERIOD)
विशिष्ट शिरोमणि संरक्षक	100000.00	आजीवन
शिरोमणि संरक्षक	51000.00	आजीवन
संरक्षक	11000.00	आजीवन
विशिष्ट सदस्य	5100.00	आजीवन
सहयोगी सदस्य	3100.00	आजीवन
सम्मानीय सदस्य	1100.00	आजीवन
साधारण सदस्य	500.00	(पाँच वर्ष हेतु)

आवश्यक सूचना

1. पत्रिका शुल्क सदस्यों के लिए 500/– रू वार्षिक देय होगा।
2. सदस्यता पहचान पत्र शुल्क अतिरिक्त 100/– रू देय होगा।
3. अधिक जानकारी एवं सदस्यता फार्म के लिए निम्न पते पर सम्पर्क कर सकते हैं।

नवीन सोगानी
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

E-2 पहली मंजिल, जवाहर पार्क
हीरा स्वीट्स के पीछे विकास मार्ग
लक्ष्मीनगर, शकरपुर दिल्ली-110092
मो. 9990358901, 9810358901

सदस्यता शुल्क एवं सहयोग के लिए
बैंक खाते का विवरण

Bank Account Detail of : **Shree Digamber Jain Mahasamiti**

Account No : **10170001973962**

Branch : Bandhan Bank, Greater Kailash, Delhi-110048

IFSC Code : BDBL0001727

वर्ष 7 - अंक 4-5 नवम्बर-दिसम्बर 2025

Title Code : DELBIL11586

श्री दिगम्बर जैन महासमिति

सामाजिक, साहित्यिक, राष्ट्रीय चेतना की संदेशवाहक एक मात्र मासिक पत्रिका

राष्ट्रीय अध्यक्ष
डॉ मणीन्द्र जैन
9810043108

राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष
श्रीमती शीला डोडिया

राष्ट्रीय संयोजक
डॉ. रिचा जैन
मो. 9822221951

राष्ट्रीय महामंत्री
प्रवीन कुमार जैन (लोनी)
मो. 9811227718, 9711227718

राष्ट्रीय महिला महामंत्री
इन्दु जैन गांधी

प्रधान सम्पादक
धरणेन्द्र कुमार जैन
मो. 8826578600, 9999495706
ईमेल : dkjdhir@gmail.com

महिला सम्पादक
ममता गंगवाल, धार (म.प्र.)
मो. 9406669696

संपादक (विदेश)
कुँवर पाल शाह U.S.A.

स्वत्वाधिकारी व प्रकाशक
डॉ. मणीन्द्र जैन

मुख्य कार्यालय
Shree Digamber Jain Mahasamiti
70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mobile : 9810043108,8826578600
E-mail : sdjmsnational@gmail.com

मुद्रक : सेवाभारती प्रिंटिंग प्रेस
हाथरस-204101
मो. 8791580090

विषय सूची

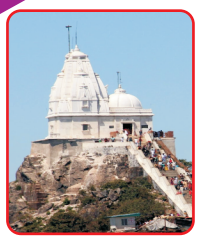
		पृष्ठ संख्या
1	सम्पादकीय.....	2
2	स्वार्थ व्यक्ति के.....	4
3	विश्व रंग.....	5
4	दृष्टि बाधित.....	7
5	दिगम्बर जैन समाज.....	8
6	हमारा जो व्यवहार.....	10
7	नारी को चाहिए.....	11
8	विशेष सभा सूचना.....	12
9	आचार्य विद्या सागर.....	14
10	MINUTES.....	17
11	जनगणना.....	18
12	भाग्येश जैन.....	20

लेखक के विचारों से सम्पादक या इसकी प्रकाशन संस्था श्री दिगम्बर जैन महासमिति का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सम्पादकीय

सभी पंथ-सम्प्रदाय अपने मतभेद भुलाकर

जैन समाज को एकजुट होने की जरूरत





कभी गिरनार, कभी सम्मेद शिखरजी। जैन समाज के तीर्थस्थलों को जिस तरह एक-एक कर निशाना बनाया जा रहा है, उसका संदेश साफ है कि अगर जैन समाज इनकी रक्षा के लिए एकजुट नहीं हुआ तो धीरे–धीरे वह अपनी सम्पूर्ण विरासत और धरोहरों को गंवा देगा। यह तो सर्वविदित है कि जैन समाज की समृद्ध विरासत बहुतेरे गैरधर्मी लोगों को हजम नहीं हो रही है। लेकिन मामला तव और भी गंभीर हो जाता है जब ऐसे लोगों को राजनीतिक संरक्षण मिल जाता है। गिरनारजी का मामला अभी हम भूले भी नहीं हैं कि अब सम्मेद शिखरजी की पवित्रता को भंग कर उसे कब्जाने की कुचेष्टा शुरू हो गयी है। केंद्र सरकार ने इस पवित्र तीर्थ को जिस तरह से पर्यटन स्थल घोषित करने का निर्णय लिया था, उसका मतलब साफ है कि किसी तरह इस तीर्थ की पवित्रता को भंग कर यहां सभी वर्गों की घुसपैठ कराई जाए। पर्यटन स्थल घोषित होने पर यहां देश–विदेश के सभी लोग आएंगे और मांस–मदिरा से लेकर सौ तरह के भोग व्यसन यहां शुरू हो जाएंगे। अच्छी बात यह है कि केन्द्र के इस फैसले के खिलाफ सम्पूर्ण जैन समाज एकजुट हो गया है और उसने अपना विरोध दर्ज कराना शुरू कर दिया है। अभी हाल ही में दिल्ली में इसको लेकर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन हुआ था। इसके अलावा अन्य शहरों और कस्बों में भी समाज ने जुलूस निकाल कर विरोध प्रदर्शन किए थे । राष्ट्रपति महोदय के नाम ज्ञापन सौंपे गए हैं। मगर यह संघर्ष यहीं खत्म नहीं होना चाहिए। यह तब तक जारी रहना चाहिए जब तक केन्द्र सरकार अपना निर्णय वापस नहीं ले लेती। गिरनारजी पर समाज की चुप्पी का खामियाजा हम भुगत ही रहे हैं। नतीजा यह है कि यहां की कई टोंक गैर समाज के कब्जे में चली गयी हैं और वहां जैन धर्मावलंबियों के लिए दर्शन कर पाना भी दूभर हो गया है। इसके अलावा सोनागिरजी सहित अन्य तीर्थस्थलों पर भी गैर समाज के लोग जब तव विवाद खड़ा करते रहते हैं। एक गैरधर्मी अनूप मंडल द्वारा जैन समाज के खिलाफ विषवमन की खबरें अक्सर सामने आती ही रहती हैं। ये सब घटनाएं हमें बताती हैं कि जैन समाज अगर अभी भी नहीं चेता और एकजुट नहीं हुआ तो भविष्य में उसके लिए बड़ी मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। जैन समाज संख्या में बहुत कम है और वोटों के सौदागर राजनीतिक लोग इसी के आधार पर नफा नुकसान देखकर फैसले लेते हैं। जैन समाज की एक कमजोरी यह भी है कि वह कई पंथों और संप्रदायों में बंटा

हुआ है जिसकी वजह से उसकी आवाज कभी मुखर नहीं हो पाती। इसके अलावा आज का युवा वर्ग स्वयं में ही इतना तल्लीन है कि उसे न कोई समाज की चिंता है और न अपने धर्म की। इसके उलट कई युवा तो जैन धर्म से विमुख होकर अन्य धर्मो का अनुसरण करने में खुद को गौरवान्वित महसूस करने लगे हैं। ऐसी स्थिति में समाज को एकजुट कैसे रखा जाए, सभी पंथ–सम्प्रदाय अपने मतभेद भुलाकर एक मंच पर कैसे आएं, यह सभी के चिंतन का विषय है। आज वक्त का तकाजा है कि हम सब, चाहे हम किसी भी पंथ या सम्प्रदाय से हों, एकजुट हों। हमें यह ध्यान रखना ही होगा कि पहले हम जैन हैं, भगवान महावीर के जिनशासन के अनुयायी हैं, उसके बाद किसी पंथ या सम्प्रदाय से हैं। अगर हम वास्तव में जिन शासन के अनुयायी हैं तो हमारा फर्ज है कि हम जिनशासन की रक्षार्थ तत्पर रहे और हमें ऐसा करना ही होगा ।

- धरणेन्द्र कुमार जैन, नई दिल्ली



स्व रोजगार सेवा

स्व रोजगार सेवा के तहत अपने ही जैन समाज से एक जरूरतमंद महिला को आज **श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति द्वारा** चाय का ठेला दिया है। ठेले पर चाय के साथ बिकने वाले अन्य आवश्यक सभी सामान देकर उसकी मदद की। जिससे वो रोजगार कर अपना और अपने परिवार की अच्छे से देखभाल कर सके एक उचित दिशा मिलने से स्वाभिमान के साथ अपना जीवन यापन कर सके।

-श्रीमती शिखा जैन (प्रांतीय अध्यक्ष)
-श्रीमती विधि जैन (प्रांतीय उपमंत्री)
-श्रीमती एकता जैन (प्रांतीय सांकृतिक मंत्री)
-श्रीमती ममता जैन (मंडलाध्यक्ष)
-श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति मुरादाबाद

स्वार्थ व्यक्ति के विकास को रोकता है....



लक्ष्य लोक हितकारी होने पर साधना का महत्व बहुगुणित हो जाता है। कठोर तप के बगैर सिद्धि नहीं मिलती। प्रतिकूलता में अपनी श्रेष्ठता न गवाना महानता है। अपना स्वार्थ पूर्ण करके परोपकारी का उपहास करना नैतिक पतन है। स्वार्थ व्यक्तित्व के विकास को रोकता है। स्वार्थवृत्ति पशुता बढ़ाती है। अपने सुख से कटौती करने दूसरे को सुख देना ही त्याग कहलाता है। त्याग में वह तेज आ जाता है जिससे आंख मिलाना स्वार्थ के लिए कठिन रहता है। जिनका तप सामर्थ्य बड़ा रहता है, उनसे स्वार्थी डरते हैं। भाषा का दर्पण स्वार्थ परमार्थ का भेद करता है। अस्तित्व बचाने में प्राण छूट जाता है, पर परोपकार का स्वभाव संकट से उबारता है। स्वार्थ वृद्धि मूर्खता बढ़ाती है। अपने स्तर तक ले जाने में मूर्ख बुद्धिमान की दृष्टि से गिर जाते हैं। दानवीरों का नाम लेने पर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। चंदन काटती कुल्हाड़ी चंदन सुगंध से सुवासित होती है। विषैले सर्पों को खाने वाला मोर मीठी वाणी के बाद भी हृदय से कठोर होता है। प्रकृति जिन्हें कीर्ति देना चाहती है, उनकी परीक्षा क्षण–क्षण लेती है। केला और बेर एक साथ नहीं रह पाते। बेर का कांटा केले के शरीर को कष्ट देता है। सफेद कपूर खिलाने कमरी पर दूसरा रंग नहीं चढ़ता। सज्जन को दुर्जन उसी प्रकार नहीं बदल पाते, जैसे चंदन में लिपटे भुजंग का तो विष प्रभावित नहीं करता। दूध खटाई पड़ते ही फट जाता है। जटायू ने परोपकार में प्रांण दे दिये, तो दुष्ट मारीच कपट में मारा गया ।

नदी में डूबते बिच्छू को निकालने में बार–बार डंक मारने पर भी संत द्वारा बचाने का भाव बताता है यदि दुर्जन अपनी दुष्टता नहीं छोड़ते तो संत अपना संतत्व भी नहीं छोड़ते । गुण में परिवर्तन नहीं करते । छल करने वाले सरलतम व्यक्ति में कमी निकालकर आनंद पाते दु:ख जगाने के लिए जब कोई प्रश्न किया जाता है तो परमार्थ का भव डूबने लगता है हंस और बगुले में, कोयल और कौवे में अंतर व्यक्तित्व को प्रमाणित करता है। अभाव में जीने वाले कभी न कभी शिखर चूमते हैं। प्रयास का दायित्व नकारकर भाग्यवादी बनाना परिश्रमी को लक्ष्य से भटकाने का कुचक्र है। दूसरों के भाल पर चंदन लगाने वाले हाथ दिव्यता के कारण महकने लगते हैं ।

- डॉ. मणीन्द्र जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष

विश्व रंग 2025 महोत्सव भोपाल में, डा ममता जैन के काव्य संग्रह "प्रतिध्वनि" का भव्य लोकार्पण



विश्व रंग 2025 महोत्सव भोपाल,में सत्तर देशों के प्रतिनिधि साहित्यकार, गणमान्य अतिथियों के मध्य महाराष्ट्र हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा प्रदत्त अनुदान राशि से प्रकाशित डा ममता जैन के काव्य संग्रहष् प्रतिध्वनिष्का भव्य लोकार्पण डा. रवि प्रकाश दुबे (कुलाधिपति रविंद्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय), डॉ. खेम सिंह डेहरिया, डा. जवाहर कर्णावत (संयोजक) श्री अनिल जोशी, (अध्यक्ष वैश्विक हिंदी परिवार) विनीता जी (अमेरिका) के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ।

इस संग्रह की कविताएं आज के समाज में फैले तनाव, कुंठा, संघर्ष और एकाकीपन को जितनी गहराई से छूती हैं, उतनी ही प्रभावी ढंग से उनके समाधान की दिशा भी सुझाती हैं। लोकार्पण के पश्चात डॉ. ममता जैन द्वारा काव्यापाठ भी किया गया। हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के संरक्षण–विकास और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार प्रसार के लिए समर्पित यह निजी विश्वविद्यालय का उपक्रम वास्तव में एक उदाहरण है।इस भव्य आयोजन में माननीय श्री मंगुभाई पटेल, महामहिम राज्यपाल, मध्य प्रदेश शासन, माननीय श्री पृथ्वीराज सिंह जी रुपन, पूर्व राष्ट्रपति, मॉरीशस गणराज्य, माननीय डॉ. मोहन यादव जी मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश , श्री संतोष चौबे, कुलाधिपति, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय एवं सौरभ द्विवेदी (द लल्लन टॉप), अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा, दिव्या दत्ता, देवदत्त पटनायक आदि सम्माननीय हस्तियां की विशेष उपस्थिति रही।

★ यदि कोई व्यक्ति आपको गुस्सा दिलाने में सफल होता है तो ऐसा मान लें कि आप उसके हाथ की कठपुतली हैं ।





29 नवंबर 2025 को मुंबई में आयोजित भव्य कार्यक्रम में डॉ.मणीन्द्र जैन को कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी द्वारा डॉक्टरेट की उपाधि सामाजिक कार्यों के लिए प्रदान की गई । सर्व विदित है कि इससे पहले फ्रांस की यूनिवर्सिटी के द्वारा भी उनको डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की जा चुकी है।

–डॉ. आर. कृष्णन (कोऑर्डिनेटर)





श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति जबलपुर संभाग द्वारा
राजकुमारी बाई बाल निकेतन में सलवार सुट का वितरण किया।





दृष्टिबाधित को स्कूल बैग के साथ गिफ्ट हैम्पर भेंट

श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग अजमेर के द्वारा महावीरचंद, सरोज भैसा,मुंबई निवासी विक्रांत, राजश्री जिया शिवम् जैन परिवार के सहयोग से शास्त्रीनगर अजमेर में संचालित दृष्टिहीन बालिकाओं का आवासीय विद्यालय लाडली घर की 40 बालिकाओं को आकर्षक स्कूल बैग (पिट्ठू बैग) के साथ परिशी भैसा के सहयोग से गिफ्ट हैम्पर जिसमें अल्पाहार सामग्री रखी हुई थी भेंट की गई युवा महिला संभाग अजमेर की अध्यक्ष सोनिका भैंसा ने बताया कि समिति द्वारा धार्मिक कार्यों के साथ सामाजिक सरोकार के अंतर्गत समिति सदस्याओं के साथ समाजसेवियों, भामाशाहों के सहयोग से पीड़ित एवं जरूरतमंदो के लिए लगातार सेवा के कार्य संपादित कर राहत प्रदान कराई जा रही है सेवा के इस अनुकरणीय कार्य को संत कृष्णानंद स्वामी महाराज के मुख्य आथित्य में एवं राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के विशिष्ट आथित्य में सभी बालिकाओं को दी गई इस अवसर पर समिति संरक्षक राकेश पालीवाल, श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर संभाग के अध्यक्ष अतुल पाटनी सहित लाडली घर की अध्यक्ष सीमा शर्मा कमेटी के सदस्य एवं अजमेर शहर के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे ।

- मधु जैन पाटनी, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष, अजमेर

जिस घर में.....

जिस घर में सुख–दीप
दूसरों का सुख लूटकर
जलते हैं वहाँ सुख नहीं,
दु:ख ही दु:ख होता है।

जिस जीवन में महत्ता
के फूल दूसरों की कब्र पर
खिलते हैं वहाँ मंगल नहीं
अमंगल ही होता है।

जिस जीवन के जलयान
दूसरों को डुबाकर चलते हैं।
वह नहीं पहुँचता पार, बीच में
ही भग्न होता है।



- धरणेन्द्र कुमार जैन, नई दिल्ली

दिगम्बर जैन समाज की आर्थिक रूप से कमजोर बालिकाओं की शिक्षा व विवाह में श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला संभाग, उदयपुर विशेष आर्थिक सहयोग करेगा...।

उदयपुर संभाग द्वारा राष्ट्रीय परम संरक्षिका सुशीला जी पाटनी, राष्ट्रीय अध्यक्षा शीला जी डोडिया, विशिष्ट सदस्य शांता जी पाटनी एवं कुसुम जी कटारिया का सम्मान किया गया व इनके सानिध्य में बैठक आयोजित हुई श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला संभाग, उदयपुर द्वारा राष्ट्रीय परम संरक्षिका आदरणीय सुशीला जी पाटनी, राष्ट्रीय अध्यक्षा आदरणीय शीला जी डोडिया विशिष्ट सदस्य आदरणीय शांता जी पाटनी एवं कुसुम जी कटारिया के सानिध्य में दिनांक 26 नवम्बर, 2025 को उदासीन आश्रम, उदयपुर में एक बैठक रखी गई बैठक में इन सभी गणमान्य अतिथियों का ऊपरणा, तिलक, माला व मेवाड़ी पगड़ी से बहुमान सम्मान व भावभीना अभिनन्दन किया गया बैठक में निर्णय लिया गया कि श्री दिगम्बर जैन समाज की आर्थिक रूप से कमजोर बालिकाओं की शिक्षा व विवाह में श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला संभाग, उदयपुर विशेष आर्थिक सहयोग करेगा ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष शीला जी डोडिया ने विभिन्न निर्देश प्रदान करते हुए उदयपुर संभाग के विभिन्न कार्यों, कार्यक्रमों, प्रकल्पों तथा पदाधिकारियों के आपसी सामंजस्य की बहुत प्रशंसा की प्रद्दत **प्रदत्त निर्देश (1)** जिन शासन एकता के लिये विभिन्न जिन मंदिरों में केसरिया ध्वज के सम्मुख मेरी भावना की ये चार पंक्तियाँ पढ़ें, मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवों से नित्य रहे, दीन-दुखी जीवों पर मेरे उर से करुणा स्रोत बहे, दुर्जन-क्रूर-कुमार्ग रतों पर क्षोभ नहीं मुझको आवे, साम्य भाव रखूं मैं उन पर ऐसी परिणति हो जावे। तत्पश्चात 09 बार णमोकार महामंत्र का वाचन करें एवं ध्वज के सम्मुख विनय पूर्वक सर झुकाये । (2) धार्मिक समारोह व प्रवचन व स्वाध्याय हेतु दिगम्बर जैन छात्रावास, सांगानेर की बालिकाओं को पंडित व विद्वान के रूप में आमंत्रित करें. यहाँ की बालिकाएं अत्यंत विदुषी व जिनागम पारंगत हैं (3) अपने व अपने परिवार जनों के जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ आदि शुभ मांगलिक अवसरों पर सांगानेर बालिका छात्रावास की बालिकाओं का एक समय का भोजन आदि प्रायोजित करें. सहयोग राशि 15000 एक समय भोजन हेतु रखी गई है । आदरणीय सुशीला जी पाटनी ने कहा कि महिला व बालिकाएं मंदिर में शालीन वस्त्रों में आये व अपनी बेटियों को सँस्कारित करें उदयपुर संभाग की परम संरक्षिका सुशीला पांड्या ने आशीर्वचन दिये, मुख्य अधिकारी सुनीता वैद ने स्वागत व प्रभावी संयोजन किया, अध्यक्ष निकीता शाह ने उदयपुर संभाग की गतिविधियों व आगामी प्रकल्पों की जानकारी दी, इन्होंने मधुर भजन गाये जिन पर सभी सदस्यों सहित अतिथियों ने भक्ति नृत्य किये, महामंत्री बबीता जैन ने सभी का हार्दिक आभार व्यक्त किया बैठक में निराली जैन ने मंगलाचरण किया। सरला वैद, डॉ. संतोष गोधा, सुलोचना लुहाड़िया,

सुधा ठोलिया, चंदा गोधा, डॉ. ज्योति अखावत, कविता बड़जात्या, सर्वेश जैन, अनीता शाह, संगीता डवारा, मधु चौधरी, डॉ मंजु पाटनी, नीलिमा सुखाड़िया, सीमा वैद, सपना शाह, प्रेरणा बैनाड़ा, डिम्पल गदिया, नीलू गदिया, चंद्रमणि गंगवाल, सीमा वैद, मृदुला मित्तल आदि ने अपने विचार व्यक्त किये ।





–शीला जैन डोडिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला महासमिति, जयपुर

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति मुरादाबाद द्वारा रजाई वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।







हमारा जो व्यवहार दूसरों के प्रति होगा, वही हमें भी प्रतिफल में मिलेगा..



परिवार समाज की एक इकाई है। परिवारों से मिलकर ही समाज का निर्माण होता है। अगर परिवार के सभी सदस्य स्वस्थ व खुशहाल होंगे, तो समाज भी खुशहाल होगा। पारिवारिक सुख और शांति के लिए परिवार के सदस्यों के मध्य आपसी स्नेह, विश्वास और सम्मान आवश्यक है। जैसा बोएंगे, वैसा काटेंगे के सर्वकालिक सत्य के आधार पर यह कहा जा सकता है कि हमारा जो व्यवहार दूसरों के प्रति होगा, वही हमें भी प्रतिफल में मिलेगा। अगर परिवार के सदस्य आपस में प्रेम से रहेंगे, मेलजोल से रहेंगे तो परिवार में भी सुख व शांति का वास होगा। वस्तुतः सुखद पारिवारिक जीवन के लिए अच्छे संस्कारों और सहिष्णुता का होना जरूरी है। सुख व शांतिपूर्ण गृहस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए सहिष्णुता की बहुत जरूरत है, जिस गुण की आज बहुत कमी होती जा रही है। परिवार के सदस्यों में आम तौर पर सहनशीलता का अभाव होता जा रहा है। पत्नी माँ–बेटे, माँ–बेटी, भाई–भाई–बहन, सास–बहू और गुरु–शिष्य के सबंधों में सहनशीलता कम होती जा रही है।

एक व्यक्ति अपने भाई को सहन नहीं करता, माता–पिता को सहन नहीं करता और पड़ोसी को सहन कर लेता है, अपने मित्र को सहन कर लेता । यह प्रकृति की विचित्रता है। सहन करना अच्छी बात है, लेकिन घर में भी एक सीमा तक एक–दूसरे को सहन करना चाहिए तभी छोटी–छोटी बातों को लेकर मनमुटाव व नित्य होने वाले विवाद नहीं होंगे। प्रत्येक इंसान की पहचान उसके संस्कारों से होती है। संस्कार उसके समूचे जीवन को व्याख्यायित करते हैं। संस्कार हमारी जीवनी शक्ति हैं। संस्कार निरंतर जलने वाली ऐसी दीपशिखा है जो जीवन के अंधेरे मोड़ों पर भी प्रकाश की किरणें बिखेर देती है। उच्च संस्कार ही मानव को महामानव बनाते हैं। सद्संस्कार अमूल्य संपदा है, जिनके आगे संसार के धन–दौलत का कुछ भी मोल नहीं है। सद्संस्कार मनुष्य धरोहर हैं। परिवार के जिन सदस्यों के पास संस्कार व सहनशीलता रूपी धन है. उस परिवार के सदस्य सुख–शांतिपूर्ण जीवन जीते हैं। जब अधिकतर परिवार सुख शांतिपूर्ण जीवन जिएंगे, तभी समाज में सुख–शांति कायम होगी।

-शिखा जैन, प्रांतीय अध्यक्ष महिला महासमिति

-छोटे फैसले से ही बड़ी सफलता मिलती है ।

नारी को चाहिए स्वनिर्णय की आजादी...



घर की चार दिवारी हो बाहर निकलकर दुनियाँ देखने का सपना प्रत्येक नारी का होता है। पुरुष के दबदबे को कम करने की जब भी कोशिश की गई, नारी को अपमानित होना पड़ा। परिवार में अथवा आज भी कई बार उसे हर निर्णय के लिए पुरुष पर निर्भर रहना पड़ता है। महिलाओं को बात–बात पर पति अथवा ससुर की स्वीकृति लेना पड़ती है। आज ऐसा कोई क्षेत्र नहीं बचा जहां नारी ने अपनी पहचान नहीं बनाई, इसके उपरांत भी उसकी ऐसी अपेक्षा आश्चर्यजनक है। दरअसल पुरुष हमेशा नारी से ऊंचा रहना ही पसंद करता है। उसका अहम इस बात की इजाजत नहीं देता है कि नारी उससे आगे निकल जाए। आज देश ने जरूर आजादी प्राप्त कर ली परंतु नारी आज भी आजादी के लिए संघर्षरत है। इससे निजात पाने हेतु महिलाओं को स्वाबलंबी बनने की जरूरत है। उसके द्वारा स्वयं किसी भी कार्य के लिए निर्णय लेने पर उसका आत्मविश्वास बढ़ेगा। क्योंकि दूसरों पर आश्रित रहने से स्वयं का विकास रुक जाता है। यही विपरीत परिस्थितियों में भी अडिग रहने के लिए स्वनिर्णय की ही आवश्यकता पड़ती है। जबकि आश्रित रहने से हर कार्य में व्यवधान उत्पन्न होता है।इस स्वनिर्णय की कमजोरी से मुक्त होने के लिए नारी को स्वयं आगे आना पड़ेगा। इसके लिए सबसे जरूरी पहलू शिक्षा पर गंभीर सोच की आवश्यकता है। शिक्षा के प्रचार–प्रसार होना उसकी आधी जीत है। अशिक्षा के कारण उस पर हर निर्णय थोप दिया जाता है। उसकी सबसे बड़ी कमजोरी अशिक्षा ही है। आज महिला नौकरी करे या नहीं, इसके लिए उसे ससुर व पति की स्वीकृति भी जरूरी है। बालिका पढ़ाई करें तो उसे माता–पिता की रजामंदी, आवश्यक है। उसकी पसंद या नापसंद को पैरों तले रौंद दिया जाता है। वह अपनी इच्छानुसार शादी की बात तो सोच भी नहीं सकती है। उसे हर निर्णय के लिए हाँ करनी पड़ती है। उसे अपने विचार व्यक्त करने का हक नहीं है।भाषण तथा गोष्ठी के जरिए जरूर उसे आजानते दिला दी जाती है। उत्थान तथा समानता का ताना–बाना बुना जाता है परन्तु उसके खाते में कुछ भी जमा नहीं होता है। कभी–कभी महिलाओं को आरक्षण की बैशाखी पकड़कर घर की चौखट लंघवाने का प्रयास जरूर किया गया है। किन्तु वहां भी पुरुषों का ही हुक्म तथा आदेश चलता है। विडंबना देखिए कि चुनाव में महिलाओं की जीत होती है, पर माला पतियों के गले में डाली जाती है। कागजों से जरूर पत्नी का नाम चलता है। पर कलम पति के इशारे पर चलती है। अतः महिलाओं को संघर्ष करके ही असली आजादी प्राप्त करनी होगी। अपने अधिकार जानकर उन्हें प्राप्त करना होगा। स्वयं को आर्थिक तथा सामाजिक रूप से सशक्त बनाना होगा, तभी स्वनिर्णय की पात्र बनेगी ।

-ममता गंगवाल, महामंत्री मध्यांचल

पंजीयन क्र. सोसायटी ८१९/२०१६-१७

श्री दिगंबर जैन महासमिति
महाराष्ट्र प्रदेश

पत्ता: पद्मश्री ज्वेलर्स, जी-५, बाहुबली कॉम्प्लेक्स, निकालस मंदिर रोड, इतवारी नागपुर ४४०००२

संपर्क: 9822473211/8668852193

e-mail: shridigambarjainmahasamitimh@gmail.com

●अध्यक्ष●	●कार्याध्यक्ष●	●महामंत्री●	●कोषाध्यक्ष●	●वरिष्ठ उपाध्यक्ष●	●सोशल मीडिया प्रमुख●
सुनील जैन पेंढारी	जितेंद्र तोरावत	प्रशांत मानेकर जैन	महेंद्र जैन (वाडी)	विनय जुननकर, विजय उदापूरकर	दिनेश सावलकर
9822473211	9145556281	9423100790	9373222515	8275744249/9823147004	8605535753

●अति. महामंत्री●	●संघठन मंत्री●	●अति. संघठन मंत्री●	●युवा प्रकोष्ठ●	●महिला प्रकोष्ठ●	●प्रवक्ता●
दिलीप शिवणकर	दीपक शेंडेकर	प्रशांत अलसेट	ॲड. चैतन्य आग्रेकर	सौ मनीषा परतवार, सौ मीना गरीबे	विनय सावलकर / सोनू सिंघई जैन
9960241401	9422187563	9823795179	9822940879	9423112777/9764447890	9422113272/9423401297

●मार्गदर्शक●
मिलिंद फडे, आनंदराव सवाने, सुधीर आग्रेकर,
अनिल जैन (VSR), नितीन नखाते, हुकूमचंद सेठी
भँवरलाल सेम्बारा जैन, राकेश पाटणी,
मुकुंद वालचाळे, सुदर्शनजी टोपरे(अंजनगांव सुर्जी)

●उपाध्यक्ष●
अरुण पाटोदी, जगदीश गिल्लरकर
नरेश कासलीवाल, महेंद्र सिंघवी, जितेंद्र गडेकर
सारंग पनवेलकर, निनाद नांदगावकर
प्रमोद बगत्रे (अमरावती), मिहीर गांधी (अकलूज)
आशुतोष जोहरापुरकर (कारंजा लाड)
राजकुमार जैन, डॉ. महावीर सोईतकर (चंद्रपूर),
दिपक पेंढारी (परतवाडा)

●मंत्री●
दिपक दर्यापूरकर, किशोर मेंढे, कमल बज,
अविनाश शाहाकार, संजय टकामोरे, प्रवीण जैन (मलकापूर)
स्नेहल (पिंटू) हरीश जैन, मौदा,
राकेश डोणगांवकर, अंजनगाव सुर्जी
उल्हास जिंतूरकर, जिंतूर (जालना)

●कार्यकारिणी सदस्य●
वैजेश पेंढारी, रमेश तुपकर,अनिल जैन चुडीवाले,
शशिकांत बानाईत , प्रशांत भुसारी, राजेंद्र बंड,
रविकांत जैन, कमलेश सिंघवी,
राजेश मौजीलाल जैन , मनीष क्रांतीकुमार जैन,
प्रदिप शहाकार, पदम बोहरा, अजय कहाते,
सुनील मांडवगडे, उदयचंद सोनटक्के,
उज्वला उखळकर, रवी गहाणकरी,
अनिल डोणगांवकर, संतोष देवडिया,
निशिकांत जिंतूरकर, महावीर जैन, समीश देवलसी
संतोष पापडीवाल, पद्माकर बुलबुले,

●शैक्षणिक समिती●
प्रा. विजय शाहाकार, डॉ. नरेंद्र भुसारी

●यात्रा समिती●
देवेंद्र आग्रेकर (प्रमुख), उदय जोहरापुरकर

●मुनी सेवा समिती●
सुरज पेंढारी (प्रमुख), शरद मचाले, पंकज खेडकर,
अजित ढालावत, चंद्रकांत काटोलकर, राजेंद्र सोनटक्के
हुकूम चवरे, मुकेश जैन केबलवाले, प्रमोद राखे

●प्रचार-प्रसार समिती●
हिराचंद मिश्रीकोटकर, रमेश उदेपूरकर
राजेश जैन, मनीष पिंजरकर, गौरव शाहाकार

●विदर्भ प्रमुख●
अभिनंदन पेंढारी अमरावती

॥ जय जिनेंद्र ॥

SDJMS/MAH/033 DT. दि १८/१२/२०२५

विशेष सभा सूचना एवं
विदर्भ कार्यकारणी गठन

सभी पदाधिकारी, कार्यकारणी सदस्य, संरक्षक, विशिष्ट सदस्य को नववर्ष के उपलक्ष्य में सूचित किया जाता है कि महासमिति महाराष्ट्र प्रांत की सभा रविवार दि १८ जनवरी २०२६ को सुबह ११.०० बजे महासमिति के अध्यक्ष सुनील जैन पेंढारी इनकी अध्यक्षता में श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, भातकुली, अमरावती के सभागृह में आयोजित की गई है। सभी से करबद्ध निवेदन है कि सभा में उपस्थित रहे।

सभा के विषय:

१) पिछली सभा का वृत्तान्त का पठन एवं मंजूरी देना
२) विदर्भ प्रमुख के उपस्थिति में विदर्भ कार्यकारणी गठन।
३) महासमिति के सदस्य नोंदनी की जानकारी एवं निर्णय।
४) आगामी फरवरी २०२६ में नमोकार तीर्थ पंचकल्याणक के लिए महासमिति का सहभाग करने हेतू सदस्यों के नाम की घोषणा।
५) मा अध्यक्ष इनकी अनुमति से अन्य विषय

प्रशांत व. मानेकर (जैन)
महामंत्री
9423100790

सुचना:

१) कोरम के अभाव में सभा स्थगित की जाएगी। स्थगित सभा ३० मिनिट के उपरांत उसी दिन, उसी स्थान पर शुरू होगी। उस सभा को कोरम की आवश्यकता नहीं रहेगी।
२) जो सदस्य शनिवार शाम को भातकुली पहुंचेंगे वह अपना नाम विदर्भ प्रमुख अभिनन्दन जी पेंढारी या अध्यक्ष/महामंत्री इन्हें अग्रिम सूचना दे। ताकि रहनेकी समुचित व्यवस्था हो।
३) रविवार सुबह आदिनाथ भगवान का अभिषेक एवं भक्तांबर विधान होगा।
४) सुबह चाय/नाश्ता और दोपहर शुद्ध भोजन की व्यवस्था की गई है।

महासमिति के पदाधिकारी ने की वंदना



आचार्य भगवन श्री विद्यासागरजी महामुनिराज एवं आचार्य भगवन श्री समयसागरजी महामुनिराज के आज्ञानुवर्ती परम प्रभावक शिष्य 108 परम पूज्य मुनि श्री विनम्र सागरजी महाराज ससंघ के आज श्री दिगम्बर जैन महासमिति के पदाधिकारियों ने जिनशासन तीर्थ क्षेत्र नाका मदार पर विराजमान ससंघ के श्री चरणों मे श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद लिया और महासमिति द्वारा धार्मिक व सामाजिक क्षेत्र में किये जा रहे कार्यो की जानकारी दी। इसके बाद उपस्थित सभी पदाधिकारी ने जिनशासन तीर्थ क्षेत्र के दर्शन किये । इस अवसर श्री दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य व अजमेर संभाग के महामंत्री कमल गंगवाल, विजय पांड्या संजय जैन, जिनशासन तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी श्रेयांश जैन, समाज सेवी व प्रवक्ता राकेश मामा, उपाध्यक्ष सुधीर जैन क्षेत्र के भोजन व्यवस्था सयोंजक उमेश जैन, निर्मल गंगवाल, दक्ष जैन आदि मौजूद थे ।





श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति मुंगावली के तत्वावधान में शासकीय प्राथमिक विद्यालय बोर्डिंग कैंपस में बच्चों को स्वेटर वितरित किए गये।

- जो लोग सबकी फिक्र करते हैं, अक्सर उन्ही की फिक्र करने वाला कोई नहीं होता।
- शब्द संभारे बोलिए, शब्द के हाथ न पाँव। एक शब्द औषधि करे, एक शब्द करे घाव ?
- जंग अगर अपनों से हो, तो हार जाना चाहिए।

आचार्यश्री विद्यासागर गौ उपचार अस्पताल एवं भगवान श्रीराम पक्षी उपचार अस्पताल का शिलान्यास व भूमि पूजन भव्यता पूर्वक संपन्न

दया भावना फाउण्डेशन प्रणेता जैन संत मुनिश्री अविचल सागर जी की मंगल प्रेरणा, सानिध्य व मणीन्द्र जैन दिल्ली की अध्यक्षता में आचार्यश्री विद्यासागर गौ उपचार अस्पताल एवं भगवान श्रीराम पक्षी उपचार अस्पताल का शिलान्यास व भूमि पूजन भव्यता पूर्वक संपन्न हुआ।

आरंभ में भावपूर्ण मंगलाचरण की प्रस्तुति कु. काव्या, रूपम, प्रियम, एना, संजना, सारिका, पूनम, दीपाली, अनायसा ने दी। मुनिश्री के पाद प्रक्षालन ऊर्जा फाउंडेशन की कु राशि साहू ने व शास्त्र भेंट श्री अनिल जैन विधायक निवाड़ी ने किए। तदोपरांत राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न धर्मो के धर्माचार्यों महर्षि भृगु पीठाधीश्वर श्री गोस्वामी सुशील जी महाराज, राष्ट्रीय संयोजक भारतीय सर्व धर्म सभा (डा. उमेर अहमद इलयासी (चीफ इमाम आलइण्डिया इमाम आर्गेनाइजेशन) योग मनीषी आचार्य श्री विवेक मुनि महाराज 'संस्थापक अध्यक्ष आचार्य सुशील मुनि मिशन) सरदार सुरजीत सिंह आजाद (वाइस चेयरमैन गुरूद्वारा श्री बांग्ला साहेब) रेव. फादर सेवास्टियन कॉलिंथाणाम (प्रिसिपल फिदालिस स्कूल अलीगढ़) मराजबान नरिमन जईवाला (अध्यात्मिक गुरू पारसी समुदाय) स्वामी धीर सिंह हितकारी जी महाराज (प्रेस सेकेट्री अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन, भारत) दीप प्रज्जवलित कर आयोजन का शुभारंभ किया। अतिथियों का सम्मान अमीश जैन, इजी अभिनव जैन, निशांत जैन, नितिन जैन, यश सिंघई, पवन सीपरी, विशाल जैन, प्रदीप वर्धमान, शुभम जैरी ने किया। इस अवसर पर मयूर पिच्छिका परिवर्तन कर नवीन पिच्छिका मुनिश्री के कर कमलों में भेंट की गई। पुरानी पिच्छिका प्राप्त करने का सौभाग्य श्रीमती कमल वी के जैन को मिला। आरंभ में पं. प्रदीप कुमार शास्त्री ललितपुर के निर्देशन में वास्तु विधान के साथ भूमि पूजन व शिलान्यास की प्रक्रिया पूर्व वन संरक्षक वी. के. जैन ने सम्पन्न की। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री प्रदीप जैन आदित्य, एम.एल.सी श्याम सुंदर सिंह पारीक्षा, कुंवर मानवेंद्र सिंह सभापति विधान परिषद, शिव चरण सिंह मंदसौर, डा रुचि जैन, डॉ. निर्देश जैन, अर्चना जैन सदस्य नीति आयोग, श्रीमती कृतिका परिहार, हेमंत परिहार जिलाध्यक्ष भाजपा, पवन गौतम जिला पंचायत अध्यक्ष, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता राजेंद्र सिंह यादव, बनगाय सरपंच व सरपंच संघ अध्यक्ष जमुना प्रसाद, सुनील अहिरवार, एंजी एच.सी.जैन, डा अंशुल जैन, डा अभिषेक जैन, योगी सत्यनाथ, सोनू साहू बरुआ सागर ।

बुराई को देखना और सुनना, ही बुराई की शुरुआत है।

प. दीपेंद्र अरजरिया, संदीप सरावगी, अनिल शाह, अनुपम चौधरी, आकाश जैन महामंत्री ललितपुर जैन समाज, सनत जैन ललितपुर, ललित जैन, अतुल जैन बंटी, आर के त्रिवेदी, धरणेन्द्र कुमार जैन दिल्ली, विष्णु सत्यराज, एंजी के सी जैन, आलोक जैन विश्व परिवार, सिद्धार्थ जैन, सुबोध जैन रेलवे, वैद्य सचिन जैन, चक्रेश जैन, एंजी उमेश जैन, सुरेंद्र जैन, राकेश चौधरी बरुआसागर, खुशाल जैन, संजय सिंघई, दिनेश डीके, विनोद ठेकेदार, मुकेश वीडियो, कमल शिवाजी, पदम जैन, डां जिनेंद्र जैन, दुष्यंत जैन, संकेत, पुष्पेंद्र जैन, अभिषेक डेयरी, अतिशय जैन आदि उपस्थित रहे। संचालन सिंघई संदीप जैन बरुआसागर व संजय जैन कर्नल ने संयुक्त रूप से किया। आभार सनी जैन चौनू व देवेश जैन के डी ने व्यक्त किया।

-धरणेन्द्र कुमार जैन

दया भावना फाउण्डेशन कार्यक्रम की झलकियां....





























पंजीयन संख्या 819 / 2016-17

श्री दिगम्बर जैन महासमिति

70, कैलाश हिल्स, नई दिल्ली -110065
मोबाइल : 9999495706,9810043108 www.sdjms.org,
E-mail : sdjmsnational@gmail.com, info@sdjms.org

राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय अध्यक्षा	राष्ट्रीय संयोजक	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
डॉ. मणीन्द्र जैन	श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति शीला जैन डोडिया	डॉ. रिचा राजकुमार जैन	प्रवीन कुमार जैन	नवीन सोगानी
G-60, ईस्ट आफ कैलाश नई दिल्ली-110065 मो. 9810043108	1851, चौबियों का चौक घी वालों का रास्ता, जौहरी बाजार जयपुर-302002 (राजस्थान) मो. 9314173436	36, गांधी ग्रेन मार्केट टेलीफोन एक्सचेंज चौक, मासकोट हांडा शोरुम के बाजु में, सी.ए.रोड नागपुर - 3440008 मो. 9822221951	B-63, बलराम नगर लोनी गाजियाबाद-201102 (उ.प्र.) मो. 9811227718, 9711227718	E-2, पहली मंजिल, जवाहर पार्क, हीरा स्वीट्स के पीछे, विकास मार्ग, लक्ष्मी नगर, शकरपुर, दिल्ली-110092 मो. 9810358901
Email: manindrajain@hotmail.com	Email: dodya2001@gmail.com	Email: dr.richajain75@gmail.com	Email: praveenjain1958@rediffmail.com	Email: naveensogani@gmail.com

Minutes of the Meeting Dated: 19.11.2025

श्री दिगम्बर जैन महासमिति एवं महिला महासमिति की गूगल मीटिंग दिनांक **19.11.2025** को **रात्रि 8** बजे आयोजित की गई। मंगलाचरण से मीटिंग का शुभारम्भ किया गया। देश के विभिन्न नगरों से पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण ने भाग लिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ. मणीन्द्र जैन** ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

सर्वप्रथम **"जैन व्यापर मेला"** के आयोजन पर विचार-विमर्श हुआ। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि "जैन व्यापर मेला" जयपुर भट्टारक जी नसिया में लगाया जाये। इसमें विभिन्न प्रकार के स्वनिर्मित प्रोडक्ट एवं ट्रेडिंग जैसे - ज्वेलरी, कपडे, घरेलू उपयोग में आने वाले खाद्य पदार्थ, आदि Products के **108 स्टाल** लगाए जायेंगे, जिससे सभी जैन समाज को यह ज्ञात हो सके कि हमारे समाज में किन-किन वस्तुओं का मैन्युफैक्चरिंग या ट्रेडिंग किया जा रहा है तथा प्रोडक्ट्स निर्माताओं को व्यावसायिक दृष्टि से भी उनके प्रोडक्ट्स का सम्पूर्ण भारत में प्रचार-प्रसार हो सके। जैन व्यापर मेला **13-14-15 मार्च 2026** को जयपुर में लगाए जाने हेतु निर्णय लिया गया। जैन व्यापर मेला लगाए जाने हेतु व्यापक प्रचार चैनलों के माध्यम से भी किया जाना सुनिश्चित हुआ। श्री दिगम्बर जैन महासमिति की विभिन्न राज्यों में की जा रही कार्यकलापों, गोष्ठी आदि गतिविधियों का प्रसारण चैनलों के माध्यम से भी करने का निर्णय लिया गया।

भोपाल में लिए गए निर्णयों पर भी चर्चा की गई, जिसमें यह निर्णय लिया गया श्री दिगम्बर जैन महासमिति एवं महिला महासमिति के **अंचल/प्रदेश, संभाग/मंडल, इकाई/शाखा** की कार्यकारिणी के चुनाव नहीं हुए हैं वहां पर कार्यकारिणी का चुनाव **31 दिसम्बर 2025** तक अवश्य करा लिए जायें।

राष्ट्रीय संयोजक का पद रिक्त चल रहा है। इस पद के लिए सभी शहरों से नाम मांगे जायें। जो भी नाम प्राप्त होंगे उनमें से योग्य एवं कर्मठ व्यक्ति का चयन राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी करेगी।

श्री दिगम्बर जैन महासमिति की पत्रिका के प्रकाशन के सन्दर्भ में यह निर्णय लिया गया कि स्पांसर द्वारा अथवा प्रत्येक राज्य द्वारा इसका नियमित प्रकाशन किया जाये।

जयजिनेन्द्र, जय महावीर की जयघोष तथा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

डॉ मणीन्द्र जैन
राष्ट्रीय अध्यक्ष

जनगणना में जैन समाज की पहचान का मुद्दा धर्म कॉलम में केवल जैन लिखने की अपील - राजीव जैन



अल्पसंख्यक का दर्जा प्राप्त जैन समाज को 2011 की जनगणना में आंकी गई जैन समाज की जनसंख्या बेहद कम नजर आ रही है। भारतवर्ष में हुई जनगणना में जैन समाज की जनसंख्या देशभर में महज 46 लाख बताई गई है, जबकि उनकी संख्या 3 करोड़ से भी अधिक है। समाज की जनसंख्या का सही आंकड़ा देश के सामने लाने के लिए श्री दिगम्बर जैन महासमिति के प्रांतीय महामंत्री राजीव जैन ने देश में रहने वाले सभी जैन परिवारों से महत्वपूर्ण अपील की है आगामी जनगणना में धर्म के कॉलम के आगे केवल 'जैन' लिखें उन्होंने यह भी कहा कि लोग अपने जाति और उपजाति में भी केवल 'जैन' का उल्लेख करें। राजीव जैन ने बताया कि भारतीय संविधान में जैन धर्म को एक पृथक एवं स्वतन्त्र धर्म के रूप में मान्यता प्राप्त है। उन्होंने दावा किया है भारत में जैन समुदाय की आबादी 3 से 4 करोड़ के बीच में है। आगामी जनगणना में यह आंकड़ा सामने आयेगा। उन्होंने जैन समाज की सभी राष्ट्रीय, प्रांतीय व स्थानीय संस्थाओं को संयुक्त रूप से मिलकर इस ओर ध्यान की आवश्यकता है। एक बार फिर जनगणना का बिगुल बज चुका है। आगामी वर्ष में जनगणना होना तय है। जनगणना के आधार पर ही यह पता चलेगा कि भारतवर्ष में कितने जैनधर्म के अनुयाई है। इस सबके लिए हमें सचेत होना चाहिए। अब जैन को जैनधर्म में गिनाओ अभियान चलाने की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। मंदिर मंदिर, और समाज समाज, संस्था संस्था, श्रावक श्राविका तक इस अभियान को तीव्र गति के साथ चलाना वर्तमान परिस्थितियों में अति जरूरी है। हमारी संख्या के बारे में भ्रांतियां यह है कि हम है तो ज्यादा किन्तु हम अपनी जनगणना में हमारी संख्या कम नजर आती है जिसका मुख्य कारण है दिगम्बर, श्वेतांबर, स्थानकवासी, तेरापंथी, बीसपंथी, खंडेलवाल, जैसवाल, गंगेरवाल, ओसवाल, अग्रवाल व अन्य गच्छो में विभाजित जैन समाज के सभी घटकों को जनगणना में केवल जैन लिखने की आवयश्कता है तभी हम अपनी वास्तविक संख्या का पता लगा पाएंगे।

मैं श्रेष्ठ हूँ, यह आत्म विश्वास है, लेकिन मैं ही श्रेष्ठ हूँ, यह अहंकार है।
अग्नि तो एक ही पर्याय को जलाती है, लेकिन ईर्ष्या व्यक्ति को भव-भव में कष्ट देती है।



मॉरीशस के पूर्व राष्ट्रपति माननीय श्री पृथ्वीराज सिंह रुपन के साथ पुणे से डा. ममता जैन राष्ट्रीय युवा प्रकोष्ठ मंत्री श्री दिगम्बर जैन महिल महासमिति

ठंड से बचाव हेतु 25 विद्यार्थियों को स्वेटर वितरण किया गया

श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग अजमेर द्वारा समिति संरक्षक राकेश पालीवाल, कमलेश पालीवाल एवं मुकेश पालीवाल के सहयोग से कबीर धर्मदास वंशावली मिशन फारकिया के महंत रामसिंह, मदार निवासी पुरन लाल सिन्हा, जवाहर नगर अजमेर निवासी, गोपी किशन सतगुरु कबीर आश्रम पीह रघुनाथपुरा गोपी किशन के माध्यम से केकड़ी के पास धुंधरी ग्राम की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के 25 बच्चों को सर्द हवाओं से बचाव हेतु स्वेटर की सेवा दी गई समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि समिति द्वारा सामाजिक सरोकार के अंतर्गत दी गई सेवा से 25 बच्चे लाभान्वित हुए श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर संभाग के अध्यक्ष अतुल पाटनी ने सेवा सहयोगियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि इस अवसर पर प्रचार प्रसार मंत्री मंजू निर्मल गंगवाल विबुधा गंगवाल आदि मौजूद रहीं ।

-मधु पाटनी, अजमेर



भाग्येश जैन बने अखिल भारतीय हिंदू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष



अखिल भारतीय हिंदू महासभा ने संगठन विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुये राजस्थान गंगापुर सिटी निवासी भाग्येश जैन जो कि एक समाज सेवी व वर्तमान में श्री दिगम्बर जैन महासमिति व जैन एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष भी है को हिन्दू महासभा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी विजय नारायण भट्ट के द्वारा की गई। नियुक्ति के अवसर पर संगठन के पदाधिकारीयों ने भाग्येश जैन को नई जिम्मेदारी सोपते हुये अपेक्षा जताई कि वे संगठन की नीतियो कार्यक्रमों व गतिविधियो को प्रभावी ढंग से जन जन तक पहुंचायेगे। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुये भाग्येश जैन ने राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया ओर कहा कि वे पूरी निष्ठा ईमानदारी ओर सक्रियता के साथ सोपे गये दायित्व का निर्वहन करेगें। उन्होने संगठन की विचारधारा को मजबूती से आगे बढाने ओर मीडिया के माध्यम से संगठन की आवाज को व्यापक स्तर तक पहुंचाने का संकल्प लिया।





कोटा सम्भाग के 60 सदस्य जहाजपुर आजीवन विधान एवं दर्शन का लाभ लिया साथ ही चवलेश्वर पार्श्वनाथ के दर्शन के लिए रवाना हुए

- अपनी कभी भी प्रशंसा नहीं करना, दूसरों की कभी बुराई नहीं करना, ये सम्यक दृष्टि के गुण हैं ।
- मौत उनके द्वार पर दस्तक देती है जो भोगों के दास होते हैं।
- मेहनत एक ऐसी सुनहरी चाबी है, जो बंद भाग्य के दरवाजों को खोल देती है।
- सिर्फ डरपोक और शक्तिहीन व्यक्ति ही भाग्य के पीछे चलता है।

विशिष्ट शिरोमणि संरक्षक



डॉ. मणीन्द्र जैन
सुपुत्र–स्व. श्री इन्द्रमणि जैन

G-60 ईस्ट आफ कैलाश
नई दिल्ली–110065
मो. 9810043108

शिरोमणि संरक्षक



श्री कमल जैन
F.504, वर्धमान हाइट्स
रिलाइंस पैट्रोल पंप के सामने
जी.ई. रोड, गंजपारा
पोस्ट दुर्ग
छत्तीसगढ़–491001
मो. 9300683637
9340348338



श्री सजल जैन
जय आनन्द परिसर
FLAT No.-201
द्वितीय तल
जैन गली गाँधी चौक
पोस्ट दुर्ग (छत्तीसगढ़)
मो. 9811120344



श्री अशोक कुमार जैन
C-305, सूर्या प्लेस
अग्रसेन भवन सिटी
लाइट के सामने
पोस्ट–सूरत
(गुजरात)
मो. 9327912345



श्री अनिल जैन
28–29
मान सरोवर कॉलोनी
दिल्ली रोड,
मुरादाबाद (उ.प्र.)
मो. 9837030030





संसद स्थित कार्यालय में भारत के यशस्वी गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित भाई शाह जी से श्री गौतम शाह मुलाकात करते हुए । माननीय जी से आग्रह किया कि छत्तीसगढ़ के रायपुर से जबलपुर के लिये एक नई ट्रेन की शुरुआत हुई है । उस ट्रेन का नाम समाधिस्थ जैनाचार्य विद्यासागर जी महाराज के नाम से रखने का प्रस्ताव एवं आग्रह किया ।



श्री नितिन नबीन जी को भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने के उपरान्त श्री गौतम शाह द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएं दी गयीं ।



बिहार सरकार के यशस्वी उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जी से मिलकर उनके दूसरे कार्यकाल के लिए श्री गौतम शाह द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएं दी गयीं ।

If Undelivered please return to :

70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mobile : 9810043108,8826578600
E-mail : sdjmsnational@gmail.com

To,_____